देश-विदेश के नगरों में महापर्व पर्यूषण पश्चात गरिमामय वातावरण में क्षमावाणी धूमधाम से संपन्न

मुंबई

संजय जैन, मुंबई । श्री मुंबई दिगम्बर सेवा समिति द्वारा 12वां सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम का आयोजन सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉल, गोरेगांव (पश्चिम) में किया गया । जिसमें जैन समाज के सभी लोगों ने भाग लिया और एक दूसरे से गले मिलकर क्षमा मांगी और दूसरों को क्षमा किया । कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री एस.पी. जैन और समिति के महामंत्री डॉ. सुभाष और मंच संचालन श्री संजय 'राजा' ने किया । समाज के गणमान्य नागरिकों के साथ बुद्धिजीवी श्रेष्ठीजन मंच पर उपस्थित थे, उन्होंने अपने विचार समाज के समक्ष रखे । डॉ. विनय जैन ने युवा वर्ग को आगे आने के लिए एक नई क्रांति लाने का विचार समाज के सामने रखा जिसे सभी लोगो ने सराहा । जैन सेवा समिति जैन समाज के लिए समय समय पर बहुत अच्छे कार्य आयोजित करती आ रही है जिसमें समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया जावे ताकि वे आगे चलकर जैन समाज को गौरवांवित कर सके । सेवा समिति के सदस्य और कार्यकर्तागण बहुत ही सराहनीय कार्य समाज के लिए कर रहे है और आशा करता हूँ कि आने वाले समय में भी सेवा समिति इसी तरह से दिगम्बर जैन समाज का नाम मुंबई के साथ साथ पूरे देश में अपना नाम रोशन करेगी ।

अहमदाबाद

श्रेयांश धर्मसैया, अहमदाबाद । श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धनलक्ष्मी हरिगंगा सोसायटी ओढ़व में पर्वाधिराज पर्व बड़े धूमधाम से मनाये गये । इस अवसर पर प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन आदि हर्षोल्लास से संपन्न हुये । दोपहर 3 बजे जयपुर से पधारी विदुषी ब्र. चंद्रप्रभा दीदी ने सहस्त्रनाम का वाचन किया । सायंकाल महामंगल सामूहिक आरती बड़े उत्साह से संपन्न हुई । सभी कार्यक्रमों में युवा वर्ग ने बढ़ चढ़कर भाग लिया । पर्व के समापन दिवस पर दोपहर में गाजे बाजे के साथ श्रीजी की पालकी पर भव्य रथयात्रा निकाली गयी, जिसमें महिलायें केशरी वस्त्र, मस्तक पर मंगल कलश व पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्र धारणकर चल रहे थे । रथयात्रा के पश्चात शांतिधारा एवं फूलमाला हुई । प्रतिदिन विविध प्रतियोगिता के साथ नाटक का भी मंचन हुआ ।

पन्ना

अभिषेक जैन 'अभि', पन्ना । आत्म साधना, आत्म आराधना का महान सनातन पर्यूषण पर्व श्री 1008 चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान के नाम से सुरभित पन्ना नगर में बहुत आनंद, उल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ । धर्म के दशलक्षण अर्थात् दस धर्मों के दिन सुबह से मंदिरजी में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन आचार्य श्री 108 वासुपूज्य सागरजी महाराज के प्रवचन, दोपहर में आचार्यश्री द्वारा तत्वार्थ सूत्र पर प्रवचन, शाम को आरती, प्रवचन एवं रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सभी ने बहुत ही उत्साह और आनंदपूर्वक धर्ममय वातावरण में अपने परिणामों में विशुद्धि को बढ़ाया । व्रतों के समापन पर क्षमावाणी पर्व मनाया गया जिसमें सभी ने वात्सल्य से अभिभूत होकर विगत वर्ष में जाने अनजाने में की गई गलतियों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी । सुबह आचार्य श्री 108 वासुपूज्य सागरजी महाराज का क्षमावाणी पर विशेष प्रवचन हुआ । आचार्यश्री द्वारा क्षमावाणी पर्व की महिमा को बताया कि पर्यूषण पर्व का पहला दिन ही उत्तम क्षमा का दिन होता है और पर्यूषण पर्व के समापन पर भी क्षमा धर्म की आराधना के लिए क्षमावाणी मनायी जाती है । धर्म के दस लक्षणों में उत्तम क्षमा की शक्ति अतुल्य है । क्षमा भाव आत्मा का धर्म कहलाता है । यह धर्म किसी व्यक्ति विशेष का नहीं होता बल्कि समूचे प्राणी जगत का होता है । आज जो संपूर्ण विश्व में हिंसा, अशांति एवं अराजकता का वातावरण निर्मित होता दिख रहा है वह धर्म को न पहचानने के कारण हो रहा है । हमारे जीवन में क्षमाभाव आ जाये तो क्षमावाणी मनाना सार्थक है । दोपहर को बड़ा बाजार स्थित मंदिरजी से भगवान की शोभायात्रा निकाली गई जो शहर के सभी प्रमुख मार्ग से होते हुये धाम मोहल्ला स्थित मंदिर पहुंची । जहां पर भगवान का अभिषेक, शांतिधारा व पूजन हुआ पूजन के बाद श्रीजी की शोभा यात्रा वापस बड़ा बाजार स्थित मंदिरजी में अभूतपूर्व धर्म की प्रभावना करते हुए संपन्न हुई ।

जबलपुर

अरविन्द जैन, बाकल जबलपुर । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पर्यूषण पर्व की समाप्ति पर श्री दिगम्बर गोलालारीय जैन नवयुवक सभा, जबलपुर द्वारा क्षमावाणी महोत्सव का पर्व मनाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री वीरेन्द्र जैन, मुख्य अतिथि श्री राजकुमार जैन एवं विशिष्ठ अतिथि श्री डी.के. जैन की उपस्थिति में मनाया गया । सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय संत आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के तेल चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन एवं कु. रीतिका जैन, रिया जैन द्वारा मंगलाचरण किया गया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत श्रीफल एवं माला से अध्यक्ष अरविंद जैन, उपाध्यक्ष अश्विन जैन, महासचिव डॉ. सुनील जैन, जयकुमार जैन, सनत जैन एवं आलोक जैन, सुनील जैन भाउ, अमित जैन द्वारा किया गया । बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भजन डांस एवं गीत संगीत ने सभी का मन मोह लिया । प्रश्न मंच श्रीमती निधि तारबाबू द्वारा कराया गया, जिसमें धर्म से संबंधित एवं सामान्य ज्ञान के प्रश्नों को श्रोताओं से पूछा गया । सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया । अंत में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वालों का सम्मान किया गया । समाज की अंकिता जैन को बेडमिंटन टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल एवं प्रदेश लेवल में सिल्वर पदक प्राप्त करने पर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन मुकेश फणीश द्वारा किया गया । समापन पर अध्यक्ष द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया एवं सुरुचिभोज कराया गया ।

इन्दौर

अनुपमा जैन, इन्दौर । पयूर्षण पर्व पश्चात क्षमावाणी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन समाज मंदिरजी न्यू देवास रोड़ स्थित 1008 श्री शांतिनाथ मंदिर में संपन्न हुआ । मंचासीन अतिथियों में समाज के ट्रस्टीगण एवं वरिष्ठजनों के साथ साथ समाजजन व मेघावी विद्यार्थी उपस्थित थे । कार्यक्रम का मंगलाचरण श्रीमती सीमा जैन ने किया तत्पश्चात कक्षा 1 से 12वीं तक के मेघावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्रीमती विजया अजयकुमार जैन ललितपुर की ओर से मेघावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया । गोलालारीय दर्शन पत्रिका द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं गोलालारीय समाज न्यास की ओर से प्रथम, द्वितीय व प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये गये तत्पश्चात पयूर्षण पर्व में 10 या कम उपवास करने वाले तपसाधकों को भी सम्मानित किया गया । कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी ब्रह्मचारी अधिष्ठाता अनिल भैयाजी ने । अपने सारगर्भित उद्बोधन में उन्होंने जीवन में क्षमा धर्म का महत्व बताया । समाज सचिव श्री बाहुबली जैन ने सचिवीय उद्बोधन में वर्षभर का लेखा जोखा प्रस्तुत किया और अध्यक्ष श्री कोमलचन्द्रजी ने आभार प्रदर्शन किया । श्री जी के अभिषेक पश्चात उपस्थित समाजजनों ने परस्पर क्षमायाचना की तत्पश्चात सुस्वादु भोजन का आनंद लिया । कार्यक्रम पश्चात समाजजनों की यह भावना रही कि आगामी वर्ष से क्षमावाणी कार्यक्रम प्रात:कालीन सत्र में आयोजित हो ताकि सभी कार्यक्रमों के लिए उचित समय मिल सके ।

गंजबासौदा - चांदी की पालकी में सवार होकर निकले भगवान

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । पर्यूषण पर्व पश्चात नगर में जैन समाज ने चल समारोह निकाला । इस दौरान कई धार्मिक आयोजन हुए । शनिवार सुबह 8 बजे धूसरपुरा गांधी चौक स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से विमान में भगवान महावीर की शोभायात्रा निकाली गई । डीजे बैंड, ढोल और अष्ट मंगल द्रव्य झांकियों के साथ निकाली गई शोभायात्रा में जैन समाज के लोग शामिल हुए । इसमें युवक-युवतियां डांडिया खेलते और अन्य श्रद्धालु भजन गाते चल रहे थे । भगवान महावीर की शोभायात्रा का नगर में जगह-जगह आरती-पूजन कर दर्शन किया गया । नगर के विभिन्न संगठनों ने भी शोभायात्रा का स्वागत किया । हिन्दू उत्सव समिति ने नेहरु चौक पर टेंट लगाकर स्वागत किया । मुख्य मार्ग से निकाला गया बेहलोट रोड़ स्थित चंद्र प्रभु जिनालय में कलशाभिषेक के साथ समाप्त हुआ ।

पहली बार चंद्रप्रभु जिनालय पहुंची यात्रा - बेहलोट मार्ग पर चंद्रप्रभु जिनालय स्थापित होने के बाद पहली बार पालकी यात्रा जिनालय पहुंची । बरेठ रोड के त्रिमूर्ति जिनालय में पिछले साल 14 सितम्बर को श्रीजी की शोभायात्रा का समापन हुआ था । इस बार बेहलोट रोड के जिनालय में यात्रा का समापन किया गया । इससे पहले पर्यूषण पर्व के समापन पर जितनी भी शोभायात्राएं निकाली गई, वे सभी गांधी चौक और महावीर विहार के बीच ही निकाली जाती रही है ।

आचार्यश्री के जन्मोत्सव पर हुए धार्मिक आयोजन एवं पत्रिका विमोचन संपन्न

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । आचार्य विद्यासागरजी महाराज का जन्मोत्सव महावीर विहार में धार्मिक माहौल के बीच पूरे भक्तिभाव के साथ मनाया गया । नगर में चातुर्मास कर रहे मुनिश्री पदमसागरजी महाराज के सानिध्य में सकल जैन समाज द्वारा आचार्यश्री का जन्मदिवस महावीर विहार में मनाया गया । जिसमें सुबह आचार्यश्री का सामूहिक पूजन, अभिषेक, शांतिधारा की गई । वहीं आचार्य छत्तीसी विधान के बाद मुनिश्री ने आचार्य विद्यासागरजी महाराज के जीवन चरित्र पर आधारित पुस्तक का विमोचन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर सुबह से देर शाम तक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम चलते रहे । इस मौके पर विधायक निशंक जैन, पूर्व नपाध्यक्ष लीना जैन और सतीश जैन मंत्री मौजूद रहे । इस पुस्तक में आचार्य श्री के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण चित्रों के साथ उनके संस्मरण भी प्रकाशित किए गए हैं । इसके बाद महावीर विहार में मुनिश्री पदमसागरजी महाराज ने अपने मंगल प्रवचनों में आचार्यश्री की प्रशंसा करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने और उनके गुणों को अपनाने की शिक्षा दी । इस मौके पर समाज के लोगों द्वारा मुनिश्री को शास्त्र भेंट किए गए । दोपहर में समाज की महिलाओं एवं बच्चों ने आरती सजाओ प्रतियोगिता में शामिल होकर आकर्षक थालियां, दीप आदि सजाए । शाम को आचार्य श्री की महाआरती के बाद मुनिश्री वीर सागर पाठशाला के बच्चों ने आचार्य श्री के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन किया । इस दौरान बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु और श्रद्धालु उपस्थित थे ।

अमेरिका

राजकुमारी जैन, अमेरिका । डेटान में पयूर्षण पर्व बड़ी धूमधाम से मनाये गये । पर्व के दसों दिन नित्य पूजन एवं अन्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये । अनंत चतुर्दशी के दिन 100 से अधिक दिगम्बर जैन समाजजनों ने नित्य पूजन, अभिषेक कर धर्मलाभ उठाया ।

सिंगापुर

रोहित जैन, सिंगापुर । सिंगापुर में पयूर्षण पर्व बड़ी धूमधाम से मनाये गये । दशलक्षण पर्व के दसों दिन पूजन, अभिषेक, एवं सायंकालीन आरती, शास्त्र वाचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये । धूपदशमी के दिन सिंगापुर में उपस्थित समाजजनों ने मंदिरजी में विशेष पूजा कर धूप चढ़ायी । पयूर्षण पर्व के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी के दिन अनेकों ने उपवास व एकासन किया।